yield data in respect of berseem indicate that berseem makes efficient use of the phosphorus applied through *pray fertilization.

Even though encouraging results have been obtained by spray fertilization in some cases, further experimentation is required prior to making specific recommendations to the farmers.]

सुधरे हुए खेती के यंत्र

२१५. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्षेत्रीय तथा अखिल भारतीय रूप से काम में आने वाले वे कौन कौन से सुधरे हुये खेती के यन्त्र हैं जिनकी तदर्थ समिति ने सिफारिश की है और क्या इनके नील मुद्र की एक प्रतिलिपि कृपया सभा पटल पर रखी जायेगी ; और

(ख) इन यंत्रों का अनुमानतः कितना मूल्य होगा और देश में इनके बड़े पैमाने पर निर्माण कराने के लिये क्या व्यवस्था की जा रही है ?

t [IMPROVED AGRICULTURAL IMPLE-MENTS

215. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) which are those improved agri cultural implements which have been recommended by the *Ad Hoc* Com mittee for use on regional .and all-India basis and whether a copy of their blue prints will be laid on the Table of the House; and

(b) what is the approx'mate price of these implements and what arrangement is being made for their manufacture in the country on a large scale?]

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) तथा (ख) क्षेत्रीय तथा अखिल भारतीय स्तर पर काम में आने वाले खेती के यंत्रो के मानकीकरण के लिए खेती के उन यंत्रों की, जिनकी तदर्थ विशेषज्ञ समिति ने सिफारिश की है, एक सूची जिसमें उनके अनुमानतः मूल्य भी दिये गये हैं, नत्थी है [देखिये, परिशिष्ट ३६, अनुपत्र संख्या २४] । इन यंत्रो के नील मुद्र राज्य कृषि इंजीनियरों से इकट्ठे किये गये हैं और वे मुद्रित किये जा रहे हैं । इन रेखाचित्रों की मुद्रित प्रतियां तैयार होने पर राज्य सरकारों और सुधरे हुए खेती के यंत्रो के निर्माताओं को इन्हें बड़े पैमाने पर निर्माण करने के लिए दे दिया जायेगा । इनकी तियां यथा समय सभा पटल पर रखी जायेंगी ।

इन में से कुछ यंत्रों का निर्माण निजी फर्मों तथा लखनऊ, जयपुर, नहान, नागपुर और तिरुचिरापल्ली की सरकारी [illegible] में [illegible] हो रहा है ।

f[THE .MINISTER OF STATE m THB MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (DR. RAM SUBHAG SINGH): (a) and (b) A list showing agricultural implements which have been recommended by the *Ad Hoc* Expert Committee for Standardization of Agricultural Implements for use on regional and all-India basis along with their approximate cost is attached. *[See* Appendix XXXIX, Annexure No. 24.] Blue-prints of these implements have been collected from the State Agricultural Engineers and are under print. The orinted copies of these drawings when ready, will be supplied to State Governments, and manufacturers of improved agricultural implements for their manufac-

f[ ] English translation.

ture *on* large scale. Copies will also be placed on the Table of the Sabha in due course.

Some of these implements are already being manufactured by private firms as well as Government workshops at Lucknow, Jaipur, Nahan, Nagpur and Tiruchirapalli.]

संकरी मेरिनो भेड़

२१६. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमालय क्षेत्र में जो बढ़िया ऊन वाली नस्ल की संकरी मेरिनो भेड़ विकसित की गई है, वह किन किन नस्लों के संकरण से की गई है और क्या यह नस्ल भेड़-उत्पादकों को उपलब्ध की जा सकती है ; और

(ख) मिलाई गई दोनों नस्लों के मुकाबले में यह भेड़ ऊन की मुलायमियत और तोल की दृष्टि से कैसी है ?

t [CROSS-BRED MERINO SHEEP

216. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) which are the breeds by whose cross-breeding the cross-bred Merino sheep of the toe woolled strain has been evolved in the Himalayan region and whether this strain can be made available to the sheep breeders; and

(b) how this sheep compares with each of the two cross-bred strains so far as softness and weight of the wool is concerned?]

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) हिमालय क्षेत्र में नई संतति के विकास के लिए स्थानीय भेड़ों के संकर प्रजनन के वास्ते मेरिनो, रेमबोइल्लट और पालरैथ नस्लों की भेड़ों को प्रयोग में लाया जा रहा है । काश्मीर मेरिनो की नई सन्तति विकसित की जा चुकी है । उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू व काश्मीर राज्यों में स्थापित भेड़ प्रजनन फार्मों में ऊपर लिखी अन्य नस्लों से प्रयोगात्मक प्रजनन का कार्य प्रगति कर रहा है । भेड़ पालकों को फार्मों से संकर नस्ल के मेढ़े उपलब्ध कराये जा रहे हैं ।

(ख) स्थानीय उत्पादित ऊन एक मिश्रित रेशे वाली होती है जिसमें मोटे और बारीक रेशे होते हैं । जहां तक कुल बारीक रेशों की मात्रा का सम्बन्ध है संकर नस्ल की ऊन बढ़िया होती है और वह छूने में मुलायम होती है । स्थानीय भेड़ की ऊन वजन में १.५ पौंड होती है, जबकि संकर नस्ल के ऊन वाले बाल वजन में ३.५ से ४.०० पौंड प्रति वर्ष होते हैं ।

UTHE MINISTR OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (DR. RAM SUBHAG SINGH): (a) Rams of the Merino, Ram-bouillet and Polwarth breeds are being used for crossbreeding the local sheep to evolve new strain in the Himalayan region. A new strain of Kashmir Merino has been evolved. The work of experimental breedings from other breeds mentioned above is in progress at the sheep breeding farms established in the State of Uttar Pradesh, Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir. Cross-bred rams from the farms are being made available to the sheep breeders.

(b) The wool produced locally is of a mixed fibre composition containing coarse and fine fibres. The crossbred wools are superior as regards the total content of fine fibres and are softer to the feel. The local sheep

t[ ] English translation.